हिन्दी मीडिया.इन

मुख पृष्ठ | प्रेस विज्ञप्ति | अपनी बात | आपकी बात | पत्रिका | हिन्दी जगत | मनोरंजन जगत | फोटो गैलेरी

सब्सक्राइब करें
बॉक्स में अपना ईमेल डालें।
Subscribe
678 readers BY FEEDBURNER twit.jpg

Google™ Custom Search Search

17-02-2016 05:04:26

मोबाइल की दुनिया पर पहली शानदार उपयोगी किताबः मोबाइल ला

Category: पुस्तक चर्चा Published on Saturday, 11 February 2012 08:50

मोबाईल आज के जीवन का एक अहम् हिस्सा बन गया है पर कोई नहीं जानता कि इसके इस्तेमाल और इसके कौन से पेंच हमें किस बड़ी उलझन में फंसा सकते हैं. लोगों को मोबाइल के इस्तेमाल का तो पता है लेकिन इस से जुड़े कानून के बारे में कोई नहीं जानता.कुछ साल पहले सायबर कानून पर भारत की सबसे पहली किताब लिख चुके मशहूर सायबर ला लेखक और सुप्रीम कोर्ट के जाने माने वकील पवन दुग्गल की नयी पुस्तक मोबाइल ला इस दिशा में एक अद्भुत पहल मानी जा सकती है.आज इस पुस्तक का विमोचन किया गया. देल्ही के एसोचेम हाउस में आयोजित एक समारोह में आज इस पुस्तक का विमोचन सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के जस्टिस अल्तमस कबीर ने किया.इस अवसर पर डेल्ही के हाई कोर्ट के कार्यवाहक जस्टिस ए के सिकरी, भारत सरकार के कम्युनिकेशन एंड टेक्नौलौजी मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव एन रवि शंकर भी मौजूद थे.

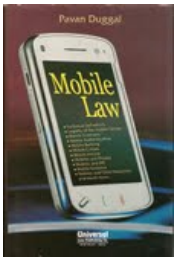

पवन दुग्गल की लिखी मोबाइल ला दुनिया भर में अपनी तरह की अकेली ऐसी पुस्तक है जो मोबाइल की दुनिया के अनजाने और जरुरी पक्षों की जांच पड़ताल करती है.ये ऐसी पुस्तक भी है जो मोबाईल फोन ,स्मार्ट फोन,व्यक्तिगत तकनिकी यंत्रों या उपयोगी डिवाइसों की जानकारी देती है.ताकि उनके ऑडियो ,विडिओ और फोटो इस्तेमाल का सही ज्ञान और उचित इस्तेमाल हो सके.

पुस्तक मोबाइल के इस्तेमाल और उसके सभी कानूनी पक्षों के साथ प्राथमिक तौर पर उसके अनुशाहित इस्तेमाल के बारे में भी रोचक और प्रयाप्त जानकारी देती है. पुस्तक में केवल इसके उचित और अनुचित इस्तेमाल पर ही बात नहीं की गई है बल्कि ये उन लोगों के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगी जो इसकी विश मताओं और कानूनी मुद्दों के बारे में अनभिज्ञ हैं.पुस्तक मोबाइल नेटवर्किंग,मोबाइल प्लेट फॉर्म्स ,मोबाइल कम्प्यूटर्स और लैपटॉप्स,उनके डाटा,सभी सूचनाएं,प्रकार और उनके डिजिटल प्रकारों पर भी प्रकाश डालती है. मोबाईल उपभोक्ताओं के लिए ये ऐसी जानकारी हैं जो उन्हें इसके बारे में उनके चलन , इस्तेमाल ,सन्देश भेजने ,प्राप्त करने और उनके गलत इस्तेमाल के साथ ही गैरकानूनी तरीके से किसी को प्रताड़ित करने और उस से बचाव के बारे में भी अवगत कराती है.

पुस्तक ऐसे लोगों के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगी जो रोजाना मोबाईल इस्तेमाल करते समय कई तरह की दिक्कतों का सामना करते हैं . चाहे वे उसके साधारण इस्तेमाल की हो या फिर कानूनी इस्तेमाल की. यह इस मामले में ऐसे मुद्दों को भी उठाती है जो मोबाइल बैंकिंग और मोबाईल से चलती अर्थव्यवस्था के बारे में भी अधिकारिक और तात्विक जानकारी तो देती है पर मोबाईल के जरिये होने वाले अपराध और गैरकानूनी इस्तेमाल से बचाव पर भी बात करती है.यही नहीं , जो लोग अपने व्यक्तिगत डाटा के लिए मोबाईल का इस्तेमाल करते हैं , पुस्तक में उसके निजीकरण और बचाव के साथ सुरक्षा पर भी घहरी जानकारी उपलब्ध करवाई गई है.ताकि किसी भी संकट या स्थिति में उपभोक्ता का डाटा या विवरण सुरक्षित रहे.

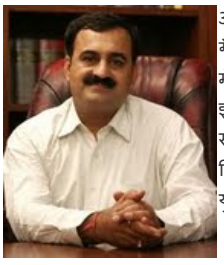

आज बच्चे और युवा भी मोबाइल का खूब इस्तेमाल कर रहे हैं .पर वे इसके उचित इस्तेमाल और उसके गैरकानूनी इस्तेमाल से बचाव के बारे में नहीं जानते.यही नहीं , मोबाइल से होने वाली हानियों पर भी पुस्तक में विस्तार से बात की गयी है.विमोचन समारोह में शामिल वक्ताओं ने भी मोबाइल के उचित और कानूनी इस्तेमाल के बारे में जानकारी दी और इसके लिए सुरक्षित इस्तेमाल के साथ मोबाईल को आम आदमी के साथ विशेश तबके के लिए मोबाइल ला की जरुरत बताया.उन्होंने कहा कि पवन दुग्गल की ये किताब इस दिशा में किया गया पहला सराहनीय प्रयास है.हमें इसके विस्तार में सहयोग देना चाहिए. पुस्तक को युनिवर्सल ला पब्लिशिग हाउस ने प्रकाशित किया है.

< Prev Next >

You are here: Back to Top

Powered by Joomla!®
Joomla template by ByJoomla.com.
Valid: xhtml Valid: css